पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद रायबरेली में अवध केसरी एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक राना बेनी माधव बख्श सिंह की 222वीं जयन्ती पर आयोजित भाव–समर्पण समारोह में 21 करोड़ रु0 से अधिक की लागत से निर्मित राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मृति सभागार का लोकार्पण किया

मुख्यमंत्री ने राना बेनी माधव बख्श सिंह के प्रतिमा स्थल के सौन्दर्यीकरण कार्य का लोकार्पण कर, उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

भारत आज जिस स्वतंत्रता का अनुभव कर रहा, उसके लिए स्वाधीनता संग्राम में अनगिनत लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया, अवध क्षेत्र में इस संग्राम का नेतृत्व करने वाले प्रमुख नामों में राना बेनी माधव बख्श सिंह का सदैव स्मरण किया जाएगा : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में उ0प्र0 सरकार विरासत के सम्मान के साथ विकास की यात्रा को आगे बढ़ा रही

नवनिर्मित सभागार में वर्ष भर साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, इन आयोजनों में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिवारों को विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित करने की परम्परा विकसित की जाए

स्वाधीनता संग्राम के महानायकों, क्रान्तिकारियों और बलिदानियों की स्मृतियों को सुरक्षित रखना तथा आने वाली पीढ़ी को उनके संघर्ष और त्याग से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी

राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक परिसर के द्वितीय चरण का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए, परिसर में वीर पासी एवं उनके सहयोगियों की प्रतिमाएं स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए

रायबरेली को ऐतिहासिक विरासत, आस्था, संस्कृति और पर्यटन का प्रमुख गन्तव्य बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार निरन्तर कार्य कर रही

लखनऊ : 24 अगस्त, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने राना बेनी माधव बख्श सिंह तथा सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उनके साथ संघर्ष करने वाले सभी वीर सेनानियों और सहयोगियों को नमन करते हुए कहा कि भारत आज जिस स्वतंत्रता का अनुभव कर रहा है, उसके लिए अनगिनत लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर किया। अवध क्षेत्र में इस संघर्ष का नेतृत्व करने वाले प्रमुख नामों में राना बेनी माधव बख्श सिंह का नाम सदैव स्मरण किया जाएगा। 1857 का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम उत्तर प्रदेश के बगैर अधूरा है। जिस प्रकार मंगल पाण्डेय ने बैरकपुर से, धन सिंह गुर्जर ने मेरठ से, नाना साहब और तात्या टोपे ने कानपुर–बिठूर से तथा रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी से स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा दी, उसी प्रकार रायबरेली और अवध क्षेत्र में इस संघर्ष का नेतृत्व राना बेनी माधव बख्श सिंह ने किया।

मुख्यमंत्री जी आज जनपद रायबरेली में अवध केसरी एवं प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के अमर नायक राना बेनी माधव बख्श सिंह की 222वीं जयन्ती के अवसर पर आयोजित भाव–समर्पण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी ने 21 करोड़ रुपये से अधिक लागत से निर्मित राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मृति सभागार का लोकार्पण किया। उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं शहीदों के परिवारों को सम्मानित किया तथा 'अवध केसरी' स्मारिका व राना बेनी माधव बख्श सिंह की स्मृति में डाक विभाग के विशेष आवरण का विमोचन किया। इसके पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री जी ने राना बेनी माधव बख्श सिंह के प्रतिमा स्थल के सौन्दर्यीकरण कार्य का लोकार्पण कर, उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि नवनिर्मित सभागार का बेहतर ढंग से संचालन एवं संरक्षण किया जाए। यहां वर्ष भर साहित्यिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और राष्ट्रभक्ति से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और शहीदों के परिवारों को इन आयोजनों में विशेष रूप से आमंत्रित कर सम्मानित करने की परम्परा विकसित की जाए। जब देश की सीमाओं पर सैनिक और देश के भीतर पुलिस बल के जवान दिन–रात अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं, तभी देशवासी सुरक्षित वातावरण में जीवन जी पाते हैं। ऐसे वीरों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान की भावना निरन्तर मजबूत की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वाधीनता संग्राम के महानायकों, क्रान्तिकारियों और बलिदानियों की स्मृतियों को सुरक्षित रखना तथा आने वाली पीढ़ी को उनके संघर्ष और त्याग से परिचित कराना हम सभी की जिम्मेदारी है। जो समाज अपने पूर्वजों को विस्मृत करता है, उसका कोई भविष्य नहीं होता। आज राना बेनी माधव बख्श सिंह के नाम पर निर्मित यह सभागार केवल एक भवन नहीं, बल्कि रायबरेली की वीर परम्परा, स्वाभिमान और गौरवशाली इतिहास का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राना बेनी माधव बख्श सिंह स्मारक परिसर के प्रथम चरण का कार्य 25 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हो चुका है। इस कार्य के लिए 21 करोड़ रुपये की धनराशि निर्धारित की गई थी। द्वितीय चरण का कार्य निर्धारित समय में पूर्ण किया जाए। राना बेनी माधव बख्श सिंह के स्वाधीनता संग्राम में सहयोग करने वाले वीरा पासी तथा अन्य प्रमुख सेनानियों के योगदान को भी समान रूप से सम्मान मिलना चाहिए। द्वितीय चरण के कार्य के अन्तर्गत परिसर में राना बेनी माधव बख्श सिंह के साथ वीरा पासी एवं उनके सहयोगियों की प्रतिमाएं स्थापित करने की दिशा में आवश्यक कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास को केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। इसके लिए हेरिटेज सर्किट और हेरिटेज वॉक जैसी

गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि युवा और पर्यटक ऐतिहासिक स्थलों को देखकर उनके पीछे की कहानी और संघर्ष को भी समझ सकें। वीर सेनानियों की स्मृतियां आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा, स्वाभिमान और त्याग की प्रेरणा देती रहेंगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार विरासत के सम्मान के साथ विकास की यात्रा को आगे बढ़ा रही है। रायबरेली की पहचान केवल उसके वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके इतिहास, आस्था, संस्कृति, लोक परम्पराओं और वीरता की गाथाओं से भी है। सरकार का प्रयास है कि रायबरेली को केवल रहने और काम करने का स्थान नहीं, बल्कि देखने, समझने और अनुभव करने वाले पर्यटन गन्तव्य के रूप में विकसित किया जाए।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश में कानून–व्यवस्था में सुधार के परिणामस्वरूप निवेश, उद्योग, पर्यटन, बुनियादी ढांचे और विकास की सम्भावनाएं धरातल पर उतरी हैं। आज उत्तर प्रदेश की पहचान देश और दुनिया में बदली है तथा प्रदेश विकास की नई गति के साथ आगे बढ़ रहा है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने विकास, सुशासन, सुरक्षा और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के क्षेत्र में नई पहचान बनाई है। विरासत को सम्मान देते हुए प्रदेश में पर्यटन और सांस्कृतिक विकास को नई गति प्रदान की गयी है, रायबरेली भी इस विकास यात्रा में पीछे नहीं रहेगा। राना बेनी माधव बख्श सिंह की स्मृति में निर्मित यह सभागार रायबरेली की ऐतिहासिक चेतना को नई पीढ़ी से जोड़ने का माध्यम बनेगा।

खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री राकेश सचान ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में जनपद रायबरेली में सड़क, औद्योगिक विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से कार्य हुआ है। रायबरेली से होकर गंगा एक्सप्रेस–वे का लगभग 71 किलोमीटर हिस्सा गुजर रहा है। जनपद में सड़कों के चौड़ीकरण और विकास के लिए बड़े स्तर पर धनराशि उपलब्ध कराई गई है। रायबरेली विकास की नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में अवध केसरी राना बेनी माधव बख्श सिंह की जीवन यात्रा, शौर्य और 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया।

इस अवसर पर खाद्य एवं रसद मंत्री श्री मनोज पाण्डेय, उद्यान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिनेश प्रताप सिंह, विधान परिषद सदस्य श्री उमेश द्विवेदी, विधायक श्रीमती अदिति सिंह, श्री अशोक कुमार, संस्कृति विभाग के निदेशक श्री संजय कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

——————